अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : तृतीय – जैन धर्म प्रथमा (परीक्षा 12 जुलाई, 2015)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र. 1- निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए:- 10x1 = (10)

(a) धार्मिक भावना से कोसों दूर रहने वालों की लेश्या होती है -

(क) कृष्ण (ख) नील

(ग) कापोत (घ) तेजो ( )

(b) तेइन्द्रिय जीव है -

(क) नारू (ख) कसारी

(ग) अलसिया (घ) चाचड़ ( )

(c) आत्मा पर लगे कर्ममल से आत्मा को अलग करना कहलाता है -

(क) ज्ञानाचार (ख) दर्शनाचार

(ग) चारित्राचार (घ) तपाचार ( )

(d) पर्यावरण को प्रदूषित करने में विशेष भूमिका वाला द्रव्य है -

(क) पुद्गलास्तिकाय (ख) जीवास्तिकाय

(ग) कालद्रव्य (घ) धर्मास्तिकाय ( )

(e) विविध विचारों से समकित में दृढ़ होना कहलाता है -

(क) भावना (ख) भूषण

(ग) यतना (घ) श्रद्धान ( )

(f) आकाशास्तिकाय के प्रदेश होते हैं -

(क) संख्यात (ख) असंख्यात

(ग) अनंत (घ) तीनों ही ( )

(g) देवता के दण्डक होते हैं -

(क) 13 (ख) 9

(ग) 8 (घ) 14 ( )

(h) सम्यग् दर्शन के साथ सीधे आत्मा से होने वाले रूपी पदार्थों का मर्यादित ज्ञान कहलाता है -

(क) मनः पर्यव ज्ञान (ख) मतिज्ञान

(ग) केवलज्ञान (घ) अवधिज्ञान ( )

(i) परिहार विशुद्धि चारित्र की साधना में उत्कृष्ट ज्ञान आवश्यक है -

(क)14 पूर्व (ख)10 पूर्व

(ग) 5 समिति 3 गुप्ति (घ) 9 पूर्व ( )

(j) छोटा बड़ा आकार बनाने वाला शरीर है -

(क) औदारिक (ख) आहारक

(ग) वैक्रिय (घ) तेजस् ( )

प्र.2- निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ'अथवा 'नहीं' में दीजिए - 10x1=(10)

(a) सम समयवर्ती जीवों के परिणामों में अभिन्नता होना निवृत्ति बादर गुण स्थान है। ( )

(b) भगवान ऋषभदेव ने वैश्य को व्यापार-व्यवसाय का कार्य सौंपा। ( )

(c) पीपल का पेड़ दिन-रात ऑक्सीजन देता है। ( )

(d) तिक्खुत्तो के पाठ से तीन बार वन्दना करना उत्कृष्ट वन्दना है। ( )

(e) चार तीर्थ की सेवा करना लक्षण का भेद है । ( )

(f) काई पाँच रंग की होती है। ( )

(g) 'सिद्ध'धर्म का मार्ग प्रकट कर मोक्ष की राह दिखाते हैं। ( )

(h) कायोत्सर्ग के 8 आगार नहीं होते हैं - ( )

(i) शरीर, इन्द्रियाँ, आत्मा एवं कर्म ये सभी रूपी हैं। ( )

(j) णमोत्थुणं का दूसरा नाम प्रणिपात सूत्र भी है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- 10x1=(10)

(a) ज्ञानदाता गुरू का विनय करना मेरा कार्य है। .....

(b) मेरे उदय से जीव हेय, ज्ञेय, उपादेय का भान भूल जाता है। .....

(c) मैं पाप शल्य को निकालने के लिए एक अमोघ साधन हूँ । .....

(d) मेरे द्वारा चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति की जाती है। .....

(e) मैं नारकी जीवों को दुःख देने वाला होने पर भी
मेरी गिनती भवनपति देवों में की जाती है। . .....

(f) मेरे चौदह अतिचार हैं। .....

(g) मेरा उपयोग आवश्यक कार्य हेतु जाते समय किया जाता है। .....

(h) मुझमें जीव का न जन्म होता है और न मरण। .....

(i) मैं दृष्टान्त पूर्वक अन्यमतियों से वाद विवाद करके धर्म को दीपाने में चतुर हूँ।.....

(j) मेरे द्वारा तैंतीस प्रकार की आशातना की क्षमायाचना की जाती है। .....

प्र.4- निम्नलिखित जोड़ियां मिलान कर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए- 10x1=(10)

(a)	सुनंदा	-	यतना	.....
(b)	वात्सल्य	-	आत्मा	.....
(c)	प्रतिसंलीनता	-	भरत	.....
(d)	दान	-	वचन	.....
(e)	आस्था	-	बाहुबली	.....
(f)	वीर्य	-	60 विकार	.....
(g)	सुमंगला	-	तपाचार	.....
(h)	घ्राणेन्द्रिय	-	लक्षण	.....
(i)	रसनेन्द्रिय	-	12 विकार	.....
(j)	संक्षेप	-	दर्शनाचार	.....

प्र.5- निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्य में दीजिए - **12x2=24**

(a) **सप्त धातुओं के नाम लिखिए।**

.....

.....

(b) **कर्मादान किसे कहते हैं?**

.....

.....

(c) **चारित्र किसे कहते हैं?**

.....

.....

(d) **भगवान ऋषभदेव के जन्म, दीक्षा, च्यवन व केवलज्ञान कल्याणक लिखिए।**

.....

.....

(e) **उपबृहा को परिभाषित कीजिए।**

.....

.....

(f) **आभ्यंतर तप के भेदों के नाम क्रमशः लिखिए।**

.....

.....

(g) **पर्यावरण प्रदूषण में छः द्रव्यों में से कौन-कौन से द्रव्य का योगदान नहीं होता है?**

.....

.....

(h) **भगवान ऋषभदेव की कहानी की कोई दो शिक्षाएँ लिखिए।**

.....

.....

(i) **भूषण को परिभाषित कीजिए।**

.....

.....

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(j) **जहाँ देह**.....

.....**लोय।।**

(k) **आचार्य** .....

.....**नमस्कार।।**

(l) **पूजा** .....

..... **क्या कहना।।**

प्र. 6- निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए- **12x3 (36)**

(a) **औदारिक मिश्र काय योग को समझाइए।**

.....

.....

.....

(b) **निवृत्ति बादर गुणस्थान को समझाइए।**

.....

.....

.....

(c) **संवर तत्त्व की परिभाषा लिखिए।**

.....

.....

.....

(d) **श्रद्धान को परिभाषित करते हुए प्रथम दो श्रद्धान लिखिए।**

.....

.....

.....

(e) **ज्ञान के अतिचार लिखिए।**

.....

.....

.....

(f) **भावना के बोल लिखिए।**

.....

.....

.....

(g) **ज्ञानाचार के भेदों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

(h) **भगवान ऋषभदेव के निर्वाण कल्याणक को समझाइए।**

.....

.....

.....

(i) **ध्वनि प्रदूषण मानव के स्वास्थ्य के लिये किस प्रकार हानिकारक हैं?**

.....

.....

.....

(j) **इच्छामि खमासमणो को उत्कृष्ट वन्दना क्यों कहते हैं ?**

.....

.....

.....

रिक्त स्थानों की पूति कीजिए -

(k) काइओ .....

.....

.....गुत्तीणं।

(l) इहलोगा .....

.....

..... तस्स मिच्छामि दुक्कडं।